गर्लफ्रेंड की सहेलियों संग रासलीला- 7

“थ्रीसम चुदाई की कहानी में पढ़ें कि मैंने कैसे अपनी गर्लफ्रेंड की दो सहेलियों को एक साथ चोद कर मजा दिया. मुझे भी इस ग्रुप सेक्स में खूब मजा आया. …”

Story By: विवान श्रीवास्तव (fuckingvivaan)
Posted: Sunday, October 25th, 2020
Categories: ग्रुप सेक्स स्टोरी
Online version: गर्लफ्रेंड की सहेलियों संग रासलीला- 7

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गर्लफ्रेंड की सहेलियों संग रासलीला- 7

 यह कहानी सुनें

थ्रीसम चुदाई की कहानी में पढ़ें कि मैंने कैसे अपनी गर्लफ्रेंड की दो सहेलियों को एक साथ चोद कर मजा दिया. मुझे भी इस ग्रुप सेक्स में खूब मजा आया.

दोस्तो, थ्रीसम चुदाई की कहानी के पिछले भाग
गर्लफ्रेंड की सहेलियों संग रासलीला- 6
मैं विवान अपनी गर्लफ्रेंड आयशा की दोनों सहेलियों के साथ चुदाई करते हुए आप सभी को थ्री-सम चुदाई का मजा दे रहा था. मेरा लंड अपनी साली प्रियंका की चुत का भोसड़ा बनाने में लगा हुआ था. धकापेल चुदाई चल रही थी.

अब आगे थ्रीसम चुदाई की कहानी :

कुछ देर की चुदाई के बाद प्रियंका की एक कसक भरी आवाज निकली- आह … जीजू मेरी चुत टपकने वाली है. आह तेज तेज चोदते रहो.
अपनी रफ़्तार को मैं और बढ़ाते हुए टूटी सी आवाज में, पसीने में तर होकर बोला- आह जान … मेरा भी बस आने वाला है.

मैं धकापेल चोदता गया और बड़बड़ाता गया- आह प्रियंका तू मस्त है यार … कितनी बार चूत देगी अपने इस लंड महाराज को … मुआह तेरी जैसे साली हर किसी को मिले.

उधर दूसरे दीवान पर अनामिका होश में आ गई थी और वो लेटे लेटे ही हम दोनों को देख रही थी. उसकी आंखों में अभी भी नशा था.
अनामिका कुछ खिसक कर नजदीक आई और प्रियंका के एक चूचे को अपने मुँह में भरके

चूसने लगी.

मैं अब भी अपने लंड की पिचकारी छोड़ने की तैयारी कर रहा था.

कुछ करीब 20-30 झटके खाने के बाद प्रियंका ने फिर से अपनी चुत से पानी छोड़ दिया. मेरा लंड भी झड़ने के करीब था … मैं उसे चोदता रहा.

अब उसकी चूत और तेज आवाज करने लगी थी. चुत से पानी निकलने के कारण ‘फच्च फच्च.’ की आवाज कुछ तेज हो गई थी.

बीस झटकों के बाद जब मेरा रस आने वाला हुआ तो मैंने लंड बाहर निकाल लिया. मेरा लंड प्रियंका की चुत के जूस से चमक रहा था.

मैं यूं ही अपने हाथ से लंड को आगे पीछे करने लगा. कुछ ही देर बाद मेरे लंड ने पिचकारी मारते हुए पानी छोड़ दिया.

वीर्य की कुछ बूंदें प्रियंका के चूचों पर गिरते हुए उसकी नाभि तक गिरती चली गईं. बाकी रस मैंने प्रियंका की नाभि में ही भर दिया. मैंने अपने लंड एक दो बार और आगे पीछे करके सारा माल प्रियंका की नाभि में भर दिया और खाली पड़े दीवान में जाकर आंख बन्द करके लेट गया.

प्रियंका भी मदहोशी में लेटी थी. कमरे में कुछ देर के लिए शान्ति छा गई थी. बस मेरी और प्रियंका की सांसों की आवाज सुनाई दे रही थी.

इतने में अनामिका प्रियंका को छोड़ कर मेरे पास आ गई. कमरे में कूलर और पंखे के चलने के बावजूद भी पसीने से भीगे मेरे चेहरे को और सीने को अनामिका चूमने लगी.
उसने मेरे चेहरे पर चुम्मियों की बरसात कर दी थी. मैं तो जैसे होश में ही नहीं था.

वो लगातार मुझे चूमे जा रही थी और बोले जा रही थी- वाह जीजू, आपने तो मुझे आज स्वर्ग दिखा दिया है. ये दिन मैं चाह कर भी नहीं भूल पाऊंगी.

जब वो मेरे सीने पर मेरी घुंडियों को भी चूमने लगी, तब मेरी आंख खुली.

मैंने उससे कहा- बस अनामिका अभी नहीं … बाद में करना.

उसने घुंडियों को चूसना छोड़ दिया और फिर से कुछ चुम्बन मेरे गालों पर दे दिए. वो मेरे बगल में लेट गई.

उसी समय मेरी नजर घड़ी पर पड़ी, तो रात के साढ़े ग्यारह बजने वाले थे. मेरी आंखें मुंदती चली गईं.

करीब आधे घंटे यूं ही लेटने के बाद मेरी आंख खुलीं तो अनामिका एक लॉन्ग टॉप पहने हुए थी. वो नीचे टांगों से नंगी थी और गैस पर ताहरी चढ़ाने की तैयारी कर रही थी.

प्रियंका शायद बाथरूम में थी. मैंने भी शॉवर लेने का सोचा और उठ गया.

जब मैंने उठ कर बिस्तर की तरफ देखा, तो मंद मंद मुस्कुराने लगा. हमने क्या कोहराम मचाया था … पूरे बिस्तर में दाग ही दाग थे. कहीं गीला था, तो कहीं चॉक्लेट लगी हुई थी. चादर की तो जैसे हमने बैंड बजा दी थी. वो ऐसा लग रहा था जैसे सूखे पापड़ पर किसी ने बुलडोज़र चढ़ा दिया हो.

मैं यूं ही कुर्सी में बैठ कर थोड़ी देर सोच में डूब गया.

इतने में कुकर की एक सीटी बजी, तो मैं अपने ख्यालों से बाहर आ गया. प्रियंका भी उसी टाइम बाथरूम से शॉवर लेकर चमक कर नंगी ही कमरे में आ गई थी.

उसे देखता हुआ मैं बाथरूम में घुस गया और नहाने लगा.

अब सब भूल ही गए थे कि बाथरूम में दरवाजा भी है.

मैं मजे से नंगा नहा ही रहा था कि इस बार अनामिका मेरे पास आने लगी.
उसने रास्ते में ही अपने कपड़े उतार कर फेंक दिए और अन्दर चली आई.

मैंने बाहें फैला दीं … और वो मेरे कंधे के ऊपर से अपने हाथ डालकर मेरे ऊपर चढ़ सी गई. जिसका मैंने सोचा भी नहीं था. मैं उसके यूं अचानक लड़ने से गिरते से बचा.

फिर हम दोनों शॉवर के नीचे ही स्मूच करने लगे. मजे से दोनों एक दूसरे के होंठों को चूसने लगे.

मेरे हाथ उसकी मस्त उठी गांड के पीछे घूम रहे थे. कभी कभी मैं उसकी गांड को मसल भी देता था.

फिर मैंने उसको गांड से उठाते हुए दीवार से टिका दिया. उसने अपनी टांगें मेरी कमर और गांड के पीछे से लॉक कर दी थीं. हम एक दूसरे को यूं ही चूमने चूसते लगे.
उसके हाथ मेरे कंधों से होते हुए मेरे बालों को सहलाने लगे थे.

थोड़ी ही देर में मेरा लंड खड़ा हो गया था, जिसका अहसास अनामिका को भी हो गया था. वो मेरे लंड के लिए बेताब सी होकर थोड़ा नीचे होने लगी. लेकिन जैसे ही वो नीचे आई तो हम दोनों का बैलेंस बिगड़ गया और वो झटके से नीचे उतर गई.

अब वो नीचे झुक कर मेरा लंड अपने मुँह में भरकर मस्त ब्लोजॉब देने लगी.

इससे पहले इससे अच्छा ब्लो जॉब मुझको किसी ने नहीं दिया था. मैं मजे से आंख बंद करके उसके मुँह की गर्मी का मजा लेने लगा.

थोड़ी देर बाद मैं उसका सर पकड़ कर अपना लंड चुसवाने लगा.

लंड के सुपारे को अनामिका कुछ ज्यादा उत्तेजना से चूस रही थी. वो कभी सुपारे पर जीभ फेर देती थी तो कभी उसको गोली जैसा पकड़ कर सुट्टा मारने लगती थी.

वो फिर ऊपर आकर मेरे होंठों को चूसने लगी.

मैं भी उसके चूचों को पकड़ कर मसलने लगा. मैं कभी उसके उठे हुए मोटे और कड़क निप्पलों को अंगूठे और उंगली के बीच दबाकर मसल कर मजा लेने लगा.

वो सांस लेने के लिए मुँह खोलती थी … मगर मैं उसके होंठों फिर से मुँह में भर के, कभी ऊपर के … कभी नीचे के होंठ चूसने लगता.

कुछ देर बाद मैं उसके चूचों को भी चूसने लगा. निप्पलों को खींच खींच कर चूसने लगा. वो अपना हाथ नीचे ले जाकर मेरा लंड आगे पीछे करने लगी … और मुझको अपने करीब खींच कर, दीवार से चिपकते हुए मेरा लंड अपनी चूत के ऊपर से रगड़ने लगी.

मेरे पूरे लंड की लम्बाई उसकी चूत में आगे पीछे हो रही थी. वो आंखें बंद करके मेरे कंधों पर दांतों से काटने में … तो कभी किस करने में लगी थी.

मैं भी गर्म हो चुका था. मैंने अपने एक हाथ से उसकी दायीं टांग उठा कर लंड सैट किया. मैंने अपना गर्म लंड उसकी चिकनी चूत में लगा दिया.

उसकी चुत पहले से पनिया रही थी … और ऊपर से पानी के बूंदें भी थीं. मैं इस चिकानी का सहार लेते हुए अपना लंड उसकी चूत में पेल दिया.
लंड सरकता हुआ चुत के अन्दर चला गया … और अनामिका की मीठी आह निकल गई.

मैंने धीरे धीरे लंड को अन्दर बाहर करने लगा. ‘फच फच गच्छ फच्च फच्च ..’ की आवाजें

आने लगीं.

इतने में कुकर की दूसरी सीटी बज उठी. मतलब ताहरी तैयार हो गई थी.

अनामिका दीवान पर नंगी लेटी थी, उसने आंख खोल कर देखा. फिर प्रियंका की नजर हम दोनों पर आ गई उसका मुँह हल्का खुला हुआ था. मेरे हर झटके के बाद अनामिका कराह ले रही थी.

प्रियंका हमारी चुदाई देख कर बोली- वाह … जीजा साली चुदाई में लगे हैं … जल्दी करो … सीटी खुलने … और मेरे दही खीरे के रायता बनने से पहले तुम दोनों चुदक्कड़ बाहर आ जाना, वरना साली की गांड में बेलन पेल दूंगी.

अनामिका गाली देते हुए बोल रही थी- कमीनी जीजा चोद … तेरी बार मैंने कुछ बोला था !

उन दोनों की नोक-झोंक में यहां मैंने चुदाई की रफ़्तार बढ़ा दी.

अनामिका चिल्ला चिला कर प्रियंका को खिजा रही थी- हां जीजू चोद अपनी साली को … आह ऐसे ही रगड़ से आह ऐसे ही चोद कर फाड़ दे मेरी चूत … आह ये साली बहुत तड़फाती है. लंड देख कर साली पानी पानी हो जाती है. आह जीजू चोदो … और तेज चोदो.

मेरा लंड लगातार अन्दर बाहर करते हुए फच फच फच.. की आवाज निकाल रहा था.

मैं उसकी टांग उठाए हुए अब थक सा गया था, तो मैंने उससे कहा- तुम बाल्टी पकड़ कर डॉगी पोज़ में आ जाओ.

वो तुरंत बाल्टी उल्टा करके उसको पकड़ कर कुतिया बन गई. मैंने अब आराम से खड़े

होकर उसकी कमर पकड़ ली और अपना लंड के झटके पर झटके मारते हुए उसकी चुत को मजे से चोदने लगा. मेरा पूरा लंड उसकी चूत में जाने लगा था.

अनामिका आवाजें निकाल निकाल कर चुद रही थी- आह आह जीजू उम्हा … मुआह आह … जीजू बड़ा मजा आ रहा है … और तेज पेलो … और तेज पेलो … आह मेरा पानी निकाल दो.

मैं धक्के पर धक्के … झटके पर झटके … मारता गया. अपना लंड उसकी चूत में बड़ी तेजी से अन्दर बाहर करने लगा.

थोड़ी देर बाद मैंने अनामिका के आगे झूल रहे आमों को पकड़ लिया और उससे चिपकते हुए थोड़ा दमदार और तेज झटके मारने लगा. मैं रुक रुक कर ‘फच … फच ..’ की आवाजों वाले झटके मार रहा था.

इतने में मेरी नजर बाहर प्रियंका पर पड़ गई. वो कुछ खीरे लिए हुए छीलने बैठी थी. उसमें एक खीरा हल्का मोटा सा और लम्बा सा था. उसे वो अपनी चुत की क्लिट पर रगड़ रही थी. थोड़ी देर बाद उसने गप्प से उस खीरे को अपनी चूत में घुसेड़ लिया और हमारी तरफ देखने लगी. अब उसकी आंखें हम दोनों की चुदाई को ही देख रही थीं.

इतने में जोश में मैंने अनामिका के दोनों निप्पलों को मसलते हुए कहा- उधर देख प्रियंका को … साली कैसे खीरा अपनी चूत में पेल रही है.

अनामिका और मैं दोनों प्रियंका को देखते हुए लगातार चुदाई कर रहे थे.

प्रियंका बोली- अरे जीजू, मैंने सोचा आपकी सुरभि वाली कमी पूरी कर दूं. याद है उसने उस दिन अपनी चुत में बैंगन डाला था. आज मैंने खीरा घुसेड़ लिया. मगर जीजू ये ज्यादा टाइट है.

वो हम दोनों को देखते हुए अपनी चूत में तेजी से खीरे को अन्दर बाहर करने लगी.

दोस्तो, यहां मैं आपको बता दूं कि इसके पहले वाली सेक्स कहानी में सुरभि भी प्रियंका की तरह अपनी चूत में बैंगन पेल रही थी. उसे आप पढ़ सकते हैं..

यहां प्रियंका भी बाथरूम में खीरा लिए हुए अन्दर आ गई … और मुझको हटाकर खुद अनामिका के पीछे आ गई.

प्रियंका ने अनामिका की चूत में खीरा घुसेड़ते हुए अपनी चूत का छेद मेरे लंड के सामने कर दिया. लंड को क्या चाहिए बस छेद … मैंने गीला सा लंड उसकी चूत पर पेल दिया और झटके देने लगा.

वहीं अनामिका की चूत में प्रियंका हरे खीरे से चोद रही थी. कुछ ही देर में अनामिका ने कराहते हुए अपना पानी छोड़ दिया. लेकिन फिर भी प्रियंका उसकी चूत में दे दना दन बिना रुके चूत में खीरा पेलती रही. जिससे अनामिका का सारा पानी फच फच करता हुआ बाहर गिरने लगा.

अनामिका बोली- साली कुतिया कमीनी … निकाल खीरा … अब हो गया मेरा.

अनामिका ने खुद आगे हटते हुए अपनी गांड आगे को बढ़ा दी. फिर अनामिका ने उधर से हटते हुए खीरा अपने हाथ में ले लिया.

वो हमारे आगे आकर शॉवर में थोड़ी देर खड़ी हुई. फिर पता नहीं उसे क्या सूझा कि वो खीरा को प्रियंका की खुली गांड में घुसेड़ने लगी.

अपने दोनों छेदों में हथियार पाकर प्रियंका तो जैसे पगला गई. वो अपनी आंख बंद करके अपनी गांड और पीछे करने लगी. लेकिन जब खीरे का मोटा हिस्सा उसकी गांड में जाने से

दर्द देने लगा … तो प्रियंका चिल्ला उठी- आह मर गई निकाल कुतिया जल्दी से इसको निकाल रंडी.

अनामिका ने डर के मारे खीरा बाहर निकाल दिया. इससे प्रियंका ने चैन की सांस ली. उधर नीचे मेरे लंड के झटके उसको अब अच्छे से असर कर रहे थे.

थोड़ी देर में अनामिका मेरे कान में बोली- जीजू, आप अपना लंड प्रियंका की गांड में डालो न. मैं चूत में खीरा देती हूँ.

मुझे उसकी बात जंच गई और हम दोनों ऐसा ही करने लगे. अनामिका ने प्रियंका के नीचे बैठकर उसकी चूत में खीरा घुसेड़ दिया. साथ ही वो प्रियंका की उसकी क्लिट पर जीभ फेरने लगी.

मैंने प्रियंका की गांड में जैसे ही लंड डाला … वो मजे से कराह उठी- आह जीजू … बहुत अच्छा लग रहा है. आह करते रहो.

उसी समय अनामिका ने प्रियंका की चूत में खीरा पेल दिया. प्रियंका मजे में आह जीजू … डबल मजा … मुआअह … लगे रहो.

अनामिका उसकी क्लिट पर लगातार जीभ फेरने में लगी थी. मैं लगातार उसकी गांड में अपने लंड से झटके दिए जा रहा था.

करीब 30-40 झटकों … और नीचे से खीरे के करीब 20-25 झटके लगे तो मेरा लंड अकड़ने लगा.
मैं अब आगे झुककर उसके चुचे पकड़े हुए उसके निप्पलों को मसल रहा था.

इसी पोजीशन में मैंने दो चार झटके और मारे कि मेरा पानी निकल गया. जिसे बिना लंड

निकाले हुए मैंने प्रियंका की चूत में ही झाड़ दिया.

कुछ सेकण्ड्स बाद मैंने लंड बाहर निकाला और मदहोशी में आंखें बंद करके दीवार के सहारे से शॉवर के नीचे बैठ गया.

वहां अनामिका अभी भी प्रियंका की चुत में लगातार खीरा अन्दर कर रही थी. इससे प्रियंका ने भी कुछ ही देर में पानी छोड़ दिया.

मैं और अनामिका साथ में दीवार के सहारे फर्श पर शॉवर के नीचे बैठ गए थे. प्रियंका भी हम दोनों के सामने आकर बैठ गई.

फिर प्रियंका यूं ही बैठी बैठी मेरे गले से लग गई और बोली- जीजू … यार आप सच में बहुत चोदू हो … स्वर्ग का सारा मजा इसी धरती पर दे रहे हो. जीवन का सारा सुख मैं आपके साथ ही भोग रही हूँ.

इतने में अनामिका भी साइड से मेरे और प्रियंका के गले लग गई- जीजू, सच में आज आपने मुझे भी पूरी तरह संतुष्ट कर दिया. ये बात सच है कि चूत लंड मांगती है … आदमी नहीं. मर्द का चेहरा कोई सा भी हो, लंड किसी का भी हो, माजरा सारा चुदाई और प्यास बुझाने का है. तड़प मिटाने का है.

वो दोनों मुझको यूं ही पप्पियां देने लगीं.

इतनी देर में कुकर की सीटी खुल गई और ढक्कन उसी में गिरने की हल्की सी आवाज आई. हम सब फटाफट बाहर आने लगे. आगे प्रियंका, उसके पीछे अनामिका और लास्ट में मैं.

अनामिका ने प्रियंका की गांड में चपत लगा दी. चपत की आवाज सुनते और देखते ही मैं भी अनामिका की मस्त शेप वाली गांड में दोनों हाथों से चपत लगाने लगा.

हम सब बाहर आकर मजा करने में लग गए थे.

दोस्तो, अभी मैं इस थ्रीसम चुदाई की कहानी को यहीं विराम दे रहा हूँ … आगे पूरी रात मैंने प्रियंका और अनामिका की घमासान चुदाई कैसे की … कैसे उन दोनों की गांड मारी … कैसे वोडका और पेस्ट्री के मजे लिए … और कौन ने हमारी चुदाई के बीच में रात को 2.30 बजे दरवाजा खटखटा दिया था.

इस सबमें आगे क्या क्या हुआ था ये सब जानने के लिए अन्तर्वासना के संपर्क में रहें.

आपको मेरी ये थ्रीसम चुदाई की कहानी कैसी लगी, जरूर बताएं … कुछ सुधारना हो … या तारीफें या शिकायतों के लिए आप मुझे निम्न जगह पर संपर्क कर सकते हैं.
vivaansrivastava124@gmail.com
आपका चोदू विवान आपके जवाबों का इंतजार करेगा.

Other stories you may be interested in

गर्लफ्रेंड की सहेलियों संग रासलीला- 6

नंगी चुदाई कहानी में पढ़ें कि कैसे मेरी गर्लफ्रेंड की सहेली अपनी चुदाई के लिए मारी जा रही थी. मैंने उसकी तमन्ना कैसे पूरी की ? मजा लें ! मित्रो, मैं विवान अपनी सेक्स कहानी में चुदाई का रंग भरने एक बार […]
Full Story >>>

दोस्त की बहन और उसकी मम्मी की चुदाई

माँ बेटी चुदाई कहानी में पढ़ें कि दोस्त की दादी के बाद मैंने उसकी बहन को कैसे चोदा दादी की मदद से. और उसके बाद मुझे मौक़ा मिला दोस्त की मम्मी की चुदाई का. कैसे ? मेरी पिछली कहानी दोस्त की […]
Full Story >>>

गर्लफ्रेंड की सहेलियों संग रासलीला- 5

नंगी लड़की के जिस्म की कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपनी गर्लफ्रेंड की सहेली को नंगी करके उसके गर्म जिस्म के साथ फोरप्ले का मजा लिया और उसे भी मजा दिया. नमस्ते मेरी प्यारी प्यारी पाठिकाओ और मनचले पाठको, […]
Full Story >>>

पड़ोस के जवान लड़के से चुद गई मैं- 4

गार्डन सेक्स की हिंदी कहानी में पढ़ें कि मैं अपने चोदू यार के साथ गार्डन में आ गयी. मैंने पेंटी नहीं पहनी हुई थी. उसने मुझे पेड़ की आड़ में कैसे चोदा ? मेरी सेक्स स्टोरी के पिछले भाग सिनेमा हाल […]
Full Story >>>

गर्लफ्रेंड की सहेलियों संग रासलीला- 3

गर्ल्स लेस्बियन सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि एक लड़की अपनी सहेली की चूत चुदाई अपने यार से करवाना चाह रही थी. उसने सहेली के साथ समलिंगी सेक्स करके उसे तैयार किया. नमस्कार दोस्तो, मैं विवान आपके सामने अपनी गर्लफ्रेंड आयशा […]
Full Story >>>